Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 28 , 18 अक्टुबर, बुधवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

RSS कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, शाखा से लौट रहे थे घर

नई दिल्ली। लुधियाना में मंगलवार सुबह राष्ट्र स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता की गोली मार हत्या करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा ह कि हमलावर बाइक में आए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार सुबह आरएसएस की शाखा में शामिल होने के बाद 60 वर्षीय रविंदर गोसाईं घर जा रहे थे। जब वह घर के पास पहुंचे थे तो बाइक सवार हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दी। इसके बाद उन्हें पास के अस्पताल में ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है और बदमाशों की तलाश कर रही है। हालांकि अभी हमलावरों के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है।

भीषण आग में चार मंजिला इमारत ध्वस्त

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मानसरोवर गार्डन में सोमवार को एक चार मंजिला इमारत में भीषण आगने के कारण धराशायी हो गई। दमकल सेवा के एक अधिकारी के मुताबिक सोमवार को लगभग पौने चार बजे एक इमारत में आग लगने की सुचना मिलते ही आग बुझाने के लिए दमकल की 30 गाड़ियां रवाना की गई। उन्होंने बताया कि इमारत का सामान तो जल गया लेकिन आग में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।अधिकारी के मुताबिक आग बुझाते समय पूरी इमारत गर्मी से कमजोर होकर और धराशायी हो गई। दमकलकर्मियों को आग नियंत्रित करने में दो घंटे से अधिक का समय लगा। पुलिस ने कहा कि आग लगने के कारणों की अभी जांच की जा रही है, लेकिन शार्ट सर्किट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

राजधानी एक्सप्रेस में सेना के जवान ने महिला से की छेड़खानी

मुगलसराय। डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस में सवार एक महिला से सोमवार की रात सेना के जवान ने पटना के आसपास छेड़खानी की। महिला की शिकायत पर टीटी ने मुगलसराय कंटोल रूम को सूचना दी। ट्रेन के मुगलसराय स्टेशन पर रात एक बजे पहुंचने पर जीआरपी व आरपीएफके जवानों ने आरोपित सेना के जवान को हिरासत में ले लिया। जीआरपी आरोपित के खिलाफ धारा 354 के तहत मुकदमा दर्जकर कार्रवाई में जुटी है। डिब्रूगढ़ से नई दिल्ली जा रही 12423 अप राजधानी एक्सप्रेस के बी ई वन कोच में गुवाहाटी की एक महिला सवार होकर नई दिल्ली जा रही थी। ट्रेन के पटना से रवाना होते ही बर्थ संख्या 45 पर सवार गुड़गांव निवासी सेना के जवान मुकेश कुमार महिला से छेड़खानी करने लगा।

मुकेश कुमार असोम के मरयानी स्थित सेना में जवान है। महिला के शोर मचाने पर टीटी मौके पर पहुंच गया। टीटी ने तत्काल मुगलसराय कंट्रोल रूम को सूचना दी। ट्रेन मुगलसराय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या छह पर सोमवार की रात एक बजे पहुंची। ट्रेन के पहुंचते ही जीआरपी कोतवाल आरके सिंह व आरपीएफ उपनिरीक्षक राणा सिंह मौके पर पहुंचे। महिला की शिकायत पर सेना के जवान को हिरासत में ले लिया गया। जीआरपी कोतवाल आरके सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर आरोपित सेना के जवान के खिलाफ 354 धारा के तहत मुकदमा दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-केंद्र के बीच झगड़े से नौकरशाही का मनोबल गिरेगा: हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली विधानसभा की एक समिति की ओर से एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के खिलाफकार्रवाई करने के मुद्दे पर सोमवार को नाखुशी जाहिर करते हुए कहा कि केंद्र एवं दिल्ली सरकार के बीच झगड़े से नौकरशाही का मनोबल टूट सकता है । कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने दिल्ली के मुख्य सचिव एमएम कुट्टी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने के समिति के कदम को अतार्किक करार दिया।

अदालत ने कहा कि एक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए मोहलत दिए जाने के कुट्टी के अनुरोध पर विचार किए बगैर अवमानना कार्यवाही शुरू करना अतार्किक है। विधानसभा की प्रश्न एवं संदर्भ समिति की ओर से कुट्टी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, क्योंकि उन्होंने एक नौकरशाह की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) में प्रतिकूल टिप्पणियां दर्ज करने के निर्देशों का पालन नहीं किया ।

योगी आदित्यनाथ ने किया कई परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण

गोरखपुर। दीपावली पर तोहफे देने का सिलसिला योगी आदित्यनाथ मंगलवार को भी जारी रखेंगे। अपने दौरे के दूसरे दिन धनतेरस पर गोरखपुर और कुशीनगर में कई परियोजनाओं को शिलान्यास करेंगे, जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे।

धनतेरस पर भी देंगे तोहफे
कुशीनगर भी जाएंगे मुख्यमंत्री

कई योजनाओं को करेंगे शिलान्यास

गोरखनाथ मंदिर से योगी आदित्यनाथ सुबह 10 बजे निकलेंगे। एमपी पॉलीटेक्निक से हेलीकाप्टर द्वारा 10.50 पर चरगांवा जाएंगे जहां 11.30 बजे तक चरगावां में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण एवं कोल्हुआ घाट पुल का शिलान्यास करेंगे।

उसके बाद हेलीकाप्टर से मलीनी बांध के 30 किलोमीटर पर स्थित तरकुलानी रेग्यूलेटर का शिलान्यास करेंगे। यह कार्यक्रम 11.40 से 12.20 बजे तक चलेगा। कुशीनगर में 21 करोड़ की परियोजनाएं

तत्पश्चात हेलीकॉप्टर से कुशीनगर के लिए 12.20 बजे प्रस्थान करेंगे। वहां तकरीबन 21 करोड़ रुपये की लागत से पयर्टन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास कर पुन 2.35 बजे गोरखपुर आएंगे। कुशीनगर में लोगों को संबोधित भी करेंगे।

फोरलेन सड़क का होगा शिलान्यास

गोरखपुर के नौसड़ से बाघागाड़ा तक फोरलेन सड़क का चौड़ीकरण सुदृढ़ीकरण एवं हरनही खजुरी से सोनबरसा चौराहे तक मार्ग का 2.35 से 330 तक यहां शिलान्यास करेंगे। यहां जनसभा भी होगी।

तीन पुलों का करेंगे शिलान्यास

हेलीकॉप्टर से ही मुख्यमंत्री 3.45 से 4.15 बजे तक पिपरौली में ठठौना से ग्राम भरवलिया, गाडर एवं साहिबाबाद के बीच आमी नदी पुल का शिलान्यास एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपरौली का लोकार्पण करेंगे।

11 हजारों दीपों से जगमग होगा भीम सरोवर

उसके बाद वापस गोरखनाथ मंदिर आएंगे। उसके बाद गोरखनाथ मंदिर के भीम सरोवर में आयोजित कार्यक्रम एक दिया शहीदों के नाम में शामिल होंगे। शाम 7 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन में 11 हजार दीपक जलाए जाएंगे। यहां शहीदों की स्मृति में सांस्कृतिक संध्या भी होगी।

सीएम योगी बोले, भारत माता के सपूतों की खून पसीने की कमाई से बना है ताजमहल

नई दिल्ली। ताजमहल पर भाजपा विधायक संगीत सोम के बयान के बाद मचे घमासान पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यह मायने नहीं रखता कि इसे (ताजमहल) किसने और क्यों बनाया। यह भारतीय मजदूरों के खून-पसीने से बनाया गया है।

आपको बता दें कि संगीत सोम ने कहा था कि ताजमहल को ऐतिहासिक धरोहर नहीं कहा जा सकता।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ताजमहल हमारे लिए बहुत जरूरी है, खासकर पर्यटन की दृष्टि से। पर्यटकों को सुरक्षा और सुविधा देना हमारी जिम्मेदारी है। इतना ही नहीं सीएम 26 अक्टूबर को आगरा जाएंगे। इस दौरान वह ताजमहल और आगरा के किले का दौरा भी कर सकते हैं।

गौरतलब है कि सरधना से भाजपा विधायक संगीत सोम ने रविवार को मेरठ के सिसौली स्थित पीआरडी स्कूल ग्राउंड में एक समारोह के दौरान कहा कि ताजमहल को ऐतिहासिक धरोहर नहीं कहा जा सकता। ताजमहल बनाने वाले शाहजहां ने अपने पिता को ही कैद कर डाला था। अब भाजपा सरकार देश के इतिहास से बाबर, अकबर और औरंगजेब की कलंक कथा को निकालने का काम कर रही है। देश का इतिहास अब तक बिगड़ा हुआ था। उसे सुधारने का काम भाजपा कर रही है।

संगीत सोम ने 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में भी कहा कि ताजमहल को वह ऐतिहासिक स्थल, देश की धरोहर नहीं मान सकते। कांग्रेस ने इतिहास बदला है। अब उस इतिहास को बदला जाना चाहिए।

इस मामले में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा.लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा है कि ताजमहल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की सम्पत्ति है। पर्यटन की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है। इस पर अनावश्यक विवाद उचित नहीं है। उधर, प्रदेश कांग्रेस ने संगीत सोम के बयान की निंदा की है। पार्टी प्रवक्ता आर.ए. प्रसाद ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि भाजपा विधायक को यह मालूम होना चाहिए कि ताजमहल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में सातवें अजूबे के रूप में जाना जाता है।

मैनपुरी में खेत में सोते किसान की हत्या

आगरा। बेवर थाना क्षेत्र के ग्राम कांसेपुर में फसल की रखवाली करने गए किसान की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मंगलवार को तड़के उसका शव खेत पर पड़ा मिला। जानकारी होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। मौके पर फोरेंसिक और डॉग स्क्वाड की टीमें लेकर पुलिस पहुंच गई। पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

ग्राम कांसेपुर निवासी 45 वर्षीय सर्वेश यादव पुत्र देशराज यादव खेती किसानी के अलावा कथावाचक का काम भी करता है। सोमवार की रात 9 बजे के करीब वो अपने घर से मक्का की फसल की रखवाली करने के लिए निकल गया। रात में किसी समय धारदार हथियारों से उसके सिर और गर्दन पर वार कर हत्या कर दी गई। सुबह होते ही उसकी पत्नी गीता देवी रोज की तरह खेतों पर पहुंची तो चारपाई पर सर्वेश का शव देखकर चीख पड़ी। शोरगुल होने पर पूरे गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। जानकारी पाकर सीओ भोगांव परमानंद पांडेय पुलिस को लेकर मौके पर पहुंच गए। डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीमों ने भी घटनास्थल पर जाकर साक्ष्य जुटाए।

बंटवारे के विवाद में हत्या होने की बात आयी है सामने

मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों से घटना की जानकारी लेकर शव का पंचनामा भर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक एक पुत्र तथा दो पुत्रियों का पिता था। उसकी हत्या के पीछे कोई ठोस कारण सामने नहीं आ सका है। हालांकि परिजनों और ग्रामीणों के मुताबिक काफी समय से मृतक का बंटवारे को लेकर अपने परिजनों से विवाद चल रहा था। प्रथम दृष्टया बंटवारे के विवाद में ही हत्या होने की बात पुलिस कह रही है। घटना की तहरीर मृतक की पत्नी की ओर से नामजदों के खिलाफ दी गई है। एसपी राजेश एस का कहना है कि तहरीर के आधार पर घटना का अभियोग दर्ज कराया गया है। हत्यारों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

महिला प्रोफेसर व बुजुर्ग से लूटपाट विजय गोयल, केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। दो अलग-अलग मामलों में बाइक सवार बदमाश एक महिला प्रोफेसर व बुजुर्ग से सोने की चेन झपटकर फार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर सफदरजंग एन्क्लेव और हौजखास पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक पहला मामला सफदरजंग एन्क्लेव क्षेत्र का है, जहां रविवार सुबह बाइक सवार बदमाश महिला प्रोफेसर से सोने की चेन झपटकर फार हो गया। पीड़िता की शिनाख्त उर्मिल मलिक (50) के तौर पर हुई है। पीड़िता हिसार के एक कॉलेज में प्रोफेसर हैं और अपने बेटे व पति के साथ नोएडा जाने के लिए अपने घर से निकली थी। इसी दौरान कमल सिनेमा की ओर से आए बाइक सवार दो बदमाश उससे गले की चेन लूटकर फार हो गए।

दूसरा मामला हौजखास क्षेत्र का है, जहां एक बुजुर्ग महिला से बाइक सवार बदमाश गले की चेन झपटकर फार हो गए। पीड़िता की शिनाख्त रु कमणि गौतम (63) के तौर पर हुई है। वह परिवार के साथ गुलमोहर पार्क में रहती हैं।

मानव तस्करी के आरोप में तीन धरे गए

दो महीने में पुलिस करा चुकी है 16 बंधुआ मजदूर मुक्त

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली जिले में रंजीत नगर थाना पुलिस ने मानव तस्करी कर जबरदस्ती बंधुआ मजदूरी कराने वाले एक गैंग के तीन लोगों को गिरफ्तार कर 16 मजदूरों को मुक्त करा लिया, जिनमे से सात नाबालिग हैं। पकड़े गए मानव तस्करों की पहचान रंजीत नगर निवासी राम बिलास पासवान (32), अनिता पासवान (26) और त्रिपुरा निवासी सुरेश चकमा (27) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त मंदीप रंधावा के मुताबिक गत 17 अगस्त को पटेल नगर एसडीएम ने रंजीत नगर थाना पुलिस के साथ मिलकर बंधुआ मजदूरी के खिलाफ कार्रवाई कर घरेलू सहायक उपलब्ध कराने वाले रंजीत नगर स्थित आरबी प्लेसमेंट एजेंसी के कार्यालय पर छापेमारी कर वहां से दो नाबालिगों समेत सात बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराया। हालांकि कार्रवाई के दौरान एजेंसी का मालिक राम विलास पासवान मौके से फार हो गया था। केस दर्ज कर पुलिस उसके खिलाफ जांच कर रही थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की धर-पकड़ के लिए इंस्पेक्टर प्रह्लाद सिंह की निगरानी में पुलिस टीम बनाकर कार्रवाई तेज की गई। इस दौरान टीम ने कुछ एनजीओ के साथ मिलकर जिले के कई हिस्सों में छापेमारी कर तीन महिलाएं और पांच नाबालिग बच्चों समेत नौ लोगों को दिल्ली और आसपास के राज्यों से मुक्त कराया। सभी पीड़ितों ने एसडीएम के सामने अपना बयान दर्ज कर बताया कि उन्हें अलग-अलग राज्यों से अच्छी नौकरी और बढ़िया वेतन दिलाने के नाम पर बहला-फुसला कर दिल्ली लाया गया था और यहां लाकर उनका शोषण किया जा रहा था। यहां लाकर बिना मजदूरी दिए उनसे काम कराया जा रहा था। उन्हें कहीं आने-जाने तक की अनुमति नहीं होती थी। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर एजेंसी के मालिक राम विलास पासवान की पत्नी अनिता पासवान को 19 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया और बाद में 13 अक्टूबर को राम विलास पासवान को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

आग में झुलसी बच्ची ने तोड़ा दम

पूर्वी दिल्ली। जौहरीपुर में गत 11 अक्टूबर को रसोई गैस रिसाव के बाद लगी आग में झुलसी दूसरी बच्ची की सोमवार को मौत हो गई। मृतका की शिनाख्त राधिका (साढ़े चार वर्ष) के तौर पर हुई है। हादसे में राधिका के अलावा उसके पिता विपुलदास (32), मां हिना (28) तथा नौ माह का रोहन झुलस गए थे। शनिवार को उपचार के दौरान रोहन ने दम तोड़ दिया था। हादसे में घायल मां हिना की हालत भी गंभीर बनी हुई है।

कांस्टेबल की रेलवे लाइन पर मौत, हादसा या खुदकुशी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिले के पालम इलाके में दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल की रेलवे लाइन के पास ट्रेन की चपेट में आने से संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। मृतक की पहचान पालम इलाके के राजनगर निवासी नंदराम (28) के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं घटनास्थल के पास ही मृतक का डेढ़ साल का बेटा भी मौजूद था। उधर पुलिस फि लहाल इस घटना के बारे में कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। घटना खुदकुशी का है या फि र वह हादसे का शिकार हुआ है इस बात की जांच चल रही है। पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के अनुसार मामला सोमवार शाम करीब साढे चार बजे की है। रेलवे पुलिस को सूचना मिली कि पालम इलाके स्थित रेलवे लाईन पर एक शख्स की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर घटनास्थल पर ही रेलवे लाईन के किनारे मृतक का डेढ़ साल का बेटा रो रहा था। पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। फि लहाल पुलिस इस जांच में जुटी है कि नंदराम ने खुदकुशी की है या फि र ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। पुलिस परिवार वालों से पूछताछ करते हुए मामले की छानबीन कर रही है।परिजनों से पता चला कि नंदराम दिल्ली पुलिस में बतौर कांस्टेबल के तौर पर सरोजनी नगर थाने में तैनात था।

वह 2010 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुआ था। घटना के दिन यानि सोमवार की शाम वह अपने डेढ़ साल के बेटे का बाल कटवाने की बात कहकर घर से निकला था। पुलिस की मानें तो रेलवे लाइन के पास कुछ लोगों का कहना था कि नंदराम अपने बेटे को रेलवे लाइन के किनारे बैठाकर वहां टहल रहा था। इसी बीच ट्रेन की चपेट में आने से हादसा हो गया।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सरकार बढ़ाना चाहती है निवेश- सुभाष गर्ग

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की चीफ क्रिस्टीन लेगार्ड ने भारत की अर्थव्यवस्था के सही ट्रेक पर होने की बात कहकर देशभर में इसके खिलाफ उठ रहे सावलों को ठंडा कर दिया था। अब देश के आर्थिक मामलों के सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने भारत में आर्थिक सुधार के लिए दो प्रथमिकताएं बताई हैं। गर्ग ने कहा कि बुनियादी ढांचा क्षेत्र यानि इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को बढ़ाना और बाजार में दिवालिया स्तिथी को दुरुस्त करना इस समय सरकार की दो सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं हैं। गर्ग ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारत में दिवाला इकाइयों को भंग करने का कोई ढांचा नहीं है। इस क्षेत्र में सुधार से एक अत्याधुनिक प्रणाली लाने में मदद मिलेगी जो सख्त और कड़ाई वाली समयसीमा के हिसाब से काम करेगी।

बता दें कि सुभाष चंद्र गर्ग डब्ल्यू और विश्व बैंक की सालाना बैठक में भाग लेने गए वित्त मंत्री अरुण जेटली की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। उन्होंने कहा कि आगे चलकर भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में और निवेश की जरूरत होगी। इस क्षेत्र में निवेश से भारत बेहतर अर्थव्यवस्था, बेहतर जीवन और बेहतर प्रबंधन की अपनी बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है। गर्ग ने कहा, 'मेरे हिसाब से सबसे प्रमुख नीतिगत प्राथमिकता निवेश बढ़ाना, बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश लाना हैं। यह काफी महत्वपूर्ण हैं।' उन्होंने कहा कि इसके अलावा दिवाला सुधार भी उनके एजेंडा में पहले नंबर पर है।

गर्ग ने कहा कि दिवाला सुधारों से बैंकिंग क्षेत्रों का प्रदर्शन सुधरेगा। उन्होंने कहा कि अगे चलकर ये दोनों चीजें महत्वपूर्ण होंगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक बड़ी जरूरत भारत को औपचारिक अर्थव्यवस्था और कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था बनाने की है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले आईएमएफ चीफ क्रिस्टीन लेगार्ड ने कहा था कि हमने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास दर का अनुमान घटाया है लेकिन हमारा भरोसा है कि भारत मीडियम और लॉन्ग टर्म में विकास के रास्ते पर है। आईएमएफ चीफका कहना था कि पिछले दशकों में इकॉनमी में किए गए संरचनात्मक बदलाव की वजह से भारत को बेहतर परिणाम मिला है।

कोर्ट ने सीबीआई को लगाई फटकार

नई दिल्ली। जेएनयू के लापता छात्र नजीब अहमद के मामले में दिलचस्पी के पूर्ण अभाव और किसी नतीजे पर नहीं पहुंचने को लेकर सीबीआई को सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने डांट लगाई। गौरतलब है कि मामले की जांच पांच महीने पहले सीबीआई को सौंपी गई थी। एमएससी बायोटेक्नोलॉजी का छात्र नजीब (27) जेएनयू के माही-मांडवी छात्रावास से 15 अक्टूबर, 2016 को लापता हो गया था। न्यायमूर्ति जी एस सिस्तानी और न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर की पीठ ने दलीलों के दौरान कहा कि सीबीआई द्वारा मौखिक रूप से दी गई जानकारी और सौंपी गई स्थिति रिपोर्ट में विरोधाभास से वह बहुत नाखुश है। यह विरोधाभास मामले में संदिग्ध छात्रों के फोन कॉल और संदेश के विश्लेषण के आधार पर सीबीआई द्वारा दी गई स्थिति रिपोर्ट में है। जब अदालत को बताया गया कि स्थिति रिपोर्ट सीबीआई के निरीक्षक द्वारा तैयार की गई थी, पीठ ने कहा कि जांच की जिम्मेदारी एजेंसी को सौंपने वाले 16 मई के उसके आदेश के अनुसार, न्यूनतम डीआईजी रैंक के अधिकारी को जांच की निगरानी करनी थी। अदालत ने कहा, यह कैसी निगरानी है? अगर यह डीआईजी की निगरानी है तो बिना निगरानी के क्या होगा? उन्हें शायद (कार्यालय में) रिपोर्ट पढ़ने का भी वक्त नहीं मिला। उन्हें यहां आकर, इसे पढ़ने दें। पीठ ने कहा कि सीबीआई की स्थिति रिपोर्ट में कुछ नहीं है। दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट में काफी कुछ था। हमारा कहना है कि इसमें सीबीआई की दिलचस्पी का पूर्ण अभाव रहा है। पीठ ने जांच एजेंसी से कहा है कि वह नजीब के लापता होने के संबंध में नौ संदिग्ध छात्रों के कॉल डेटा विश्लेषण के जरिये क्या पता चला है इसकी रिपोर्ट उसे सौंपे। सीबीआई ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में कहा है कि संदिग्धों के फोन कॉल और संदेशों का विश्लेषण किया जा रहा है जबकि अपनी मौखिक दलील में कहा था कि सभी रिकार्ड का विश्लेषण पूरा हो चुका है। जांच एजेंसी की बातों में इसी विरोधाभास को लेकर अदालत बहुत नाराज है। अदालत ने इसपर नाराज होते हुए पूछा, ''फि र आपने बताया क्यों नहीं कि विश्लेषण में क्या मिला है।' पीठ ने सीबीआई को चेताया कि वह एजेंसी के डीआईजी को अदालत में पेश होने को कहेगी। अदालत लापता छात्र नजीब की मां फातिमा नफीस की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

संपादकीय

एक और बेतुका बयान

विवादित बयान देने के लिए चर्चित उत्तर प्रदेश के भाजपा विधायक संगीत सोम ने ताजमहल का जिक्र करते हुए जैसी बयानबाजी की, वह बेतुकी भी है और गैरजरूरी भी। हैरत की बात यह है कि उन्होंने ताजमहल को तुच्छ बताने का काम तब किया, जब कुछ ही समय पहले उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की पुस्तिका में उसका नाम न शामिल किए जाने पर राज्य सरकार को सफाई देने के लिए विवश होना पड़ा था। इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि जब गुजरात पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विरोधी दलों को विकास के मसले पर चुनाव लड़ने की चुनौती दे रहे हैं, तब उनके ही दल के विधायक इतिहास खंगालते हुए व्यर्थ का विवाद पैदा कर रहे हैं। ऐसे बेतुके बयान भाजपा के राजनीतिक विरोधियों के मन की मुराद ही पूरी करते हैं। उन्हें बैठे-ठाले यह प्रचार करने का मौका मिलता है कि भाजपा का एजेंडा विकास नहीं, नित-नए विवाद पैदा करना है। यह समझना कठिन है कि भाजपा अपने बड़बोले नेताओं पर लगाम लगाने में नाकाम क्यों है? अगर यह समझा जा रहा है कि संगीत सोम सरीखे नेताओं के बेतुके बयानों को उनके निजी बयान बता देने भर से नुकसान की भरपाई हो जाती है, तो यह सही नहीं। हर बेतुका बयान किसी न किसी स्तर पर पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाता है। कई बार अपने नेताओं के गैरजरूरी बयानों के चलते भाजपा नेतृत्व को ऐसे विमर्श में उलझना पड़ता है जो विकास के उसके एजेंडे से लोगों का ध्यान भटकाता है। यह नितांत आवश्यक है कि भाजपा बेतुके बयान देने वाले अपने नेताओं के प्रति और सख्ती बरते। यह आश्चर्य की बात है कि तीन साल बाद भी संगीत सोम जैसे भाजपा के कई नेता यह समझने से इनकार कर रहे हैं कि मोदी सरकार का एजेंडा विकास है, न कि इतिहास को नए सिरे से लिखना या फिर अतीत की गलतियों को ठीक करना। नि-संदेह यूपी में भी भाजपा को प्रचंड बहुमत इसलिए नहीं मिला कि लोग यह चाह रहे थे कि ताजमहल को अलग नजरिये से देखने का काम किया जाना है। क्या यह भाजपा के एजेंडे में था कि सत्ता में आए तो यह पता लगाएंगे कि ताजमहल किन परिस्थितियों में और कैसे बना? इसी तरह क्या ऐसा कोई वादा किया गया था कि इतिहास से कुछ लोगों का नाम निकाला जाएगा? आखिर जो कुछ अतीत में हो चुका या फिर बन-बिगड़ चुका, उसमें फेरबदल करने का क्या मतलब? बेहतर हो कि सोम व उनके जैसे अन्य लोग ताजमहल को जैसा है, वैसा ही बना रहने दें। यदि उन्हें दुनियाभर में पहचान रखने वाली इस इमारत में कुछ खास नजर नहीं आता तो वह उसकी सराहना न करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन ऐसी बातों का कोई मतलब नहीं कि ताजमहल तो गद्दारों ने बनवाया था। यह पहली बार नहीं जब ताजमहल को लेकर कोई विवाद उठा हो। रह-रहकर ऐसा होता आ रहा है, लेकिन इससे इस इमारत की लोकप्रियता पर कोई असर नहीं पड़ा। भले ही ताजमहल मूलत- एक कब्र हो, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि वह एक भव्य इमारत है और दुनिया के सात अजूबों में शामिल है।

यह विडंबना ही है कि जब प्रधानमंत्री मोदी विरोधी दलों को विकास के मसले पर चुनाव लड़ने की चुनौती दे रहे हैं, तब उनके दल के विधायक इतिहास खंगालते हुए व्यर्थ विवाद पैदा कर रहे हैं।

बढ़ गई बेटियां

एक समय ऐसा भी था, जब हरियाणा लिंग अनुपात के मामले में सबसे पिछड़ा था। यहां लड़कों की संख्या के अनुपात में लड़कियों की संख्या बाकी राज्यों के मुकाबले बेहद कम हुआ करती थी। और यह आंकड़ा देश के नीति-नियंताओं और महिला संगठनों के लिए चिंता का सबब भी थी। एक समय वर्षो पुरानी पुरु ष प्रधान मानसिकता और इससे जुड़े अन्य कारण लड़कियों की घटती गिनती के लिए जिम्मेदार थे। लड़कियों को या तो कोख में ही मार दिया जाता था या पैदा होते ही गला घोंट दिया जाता था। वैसे भी देश के संपन्न चुनिंदा सम्पन्न राज्यों मसलन दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र में एक समय लिंग अनुपात बेहद लचर था। लेकिन सरकार के प्रयास और लोगों में जागरूकता बढ़ने के चलते इस गूढ़ समस्या का हल निकलता दिखने लगा है। खासकर हरियाणा जो कन्या भ्रूण हत्या के लिए बदनाम रहा है, अब चमत्कारिक ढंग से बदलाव को देख, सुन और समझ रहा है। केंद्र सरकार खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सबसे महत्त्वाकांक्षी योजना ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का सकारात्मक असर हरियाणा में दिखने लगा है। महज दो साल पहले हरियाणा के ही पानीपत जिले से इस योजना को शुरू करने के पीछे सरकार की यही मंशा थी कि लड़कियों की संख्या और उन पर ज्यादतियों के जितने दाग पूर्व में लगे हैं, उन्हें मिटाना हर हाल में जरूरी है। और दो साल के अंदर यह दाग मिटता दिखाई पड़ने लगा है। हालांकि इससे कुछ साल पहले तक लैंगिक विषमता, भ्रूण हत्या और लड़कियों से भेदभाव के मामले में हरियाणा की देश भर में नकारात्मक छवि थी। यह सब कुछ जागरूकता के प्रसार, साक्षरता का स्तर बढ़ाने और बेहतर कानून-व्यवस्था के चलते संभव हो सका है। यह बहुत बड़ी और नजीरी मिसाल है। नि-संदेह हरियाणा सरकार इसके लिए बधाई की हकदार है। जनता में अच्छे-बुरे की समझ बढ़ने से ही आज हरियाणा का सीना गर्व से चौड़ा है। जनता का साक्षर होना इस मायने में महत्त्वपूर्ण है कि एक बेटी के पढ़ने से दो परिवार शिक्षित होते हैं। कह सकते हैं कि आने वाले वर्षो में कुछेक सफल सामाजिक आंदोलनों में यह अभियान भी जरूर अपनी मौजूदगी दर्ज कराएगा।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

दिवाली सेल कथाएं

एक-शॉपिंग सिर्फ शॉपिंगएक समय की बात है-लंका नामक राज्य में लोग सिर्फ दो ही काम करते थे। एक ईएमआई के लिए कर्ज लेते थे और दूसरा हर तरह की चीज खरीदते थे। परिणाम हुआ कि लंका में धुआंधार कर्ज लिए जाने लगे। खैर, कर्ज देने को कंपनियां तैयार बैठी थीं। लंका में नागरिकों के पास सोना बहुत होता था। गनपुरम फाइनेंस कंपनी सोना लेकर कर्ज देती थी। धीमे-धीमे लंकावासियों का सारा सोना गनपुरम फाइनेंस कंपनी के पास आ गया। ऐसे में लंका पर आक्रमण हुआ। बंदरों-भालुओं ने आक्रमण किया। लंका के राजा ने पब्लिक से कहा-तुम सब आक्रमण का जवाब दो। इसके प्रत्युत्तर में पब्लिक ने कहा-हमारी लाइफ में अब बचा क्या है? सिर्फ मोबाइल और शॉपिंग। ऐसे में हम जीतकर भी क्या करेंगे। और हारने के ताल्लुक जहां तक है तो हमारे पास हारने के लिए कुछ बचा ही नहीं है सिर्फ मोबाइलों के कबाड़ के। तो हम लड़ें ही क्यों। पब्लिक के ऐसे वचन सुनकर लंका का राजा हतप्रभ रह गया। मोबाइल कंपनियों और लोन कंपनियों पर सम्यक नियंतण्रन रख पाने के लिए खुद को कोसा। खैर, लंका का राजा युद्ध हार गया। शिक्षा-इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें फिजूल की चीजों में रकम नहीं खर्च करनी चाहिए और मोबाइल के लिए सोने को गिरवी नहीं रखना चाहिए।कथा नंबर दो-कुंभकर्ण की मॉडलिंगकुंभकर्ण अति ही ताकतवर योद्धा था लंका की सेना में, पर वह युद्ध के वक्त सोता पाया गया, अति ही शिथिल अवस्था में। कथा यों है कि कुंभकर्ण ने एक गद्दा कंपनी से मॉडलिंग कांट्रेक्ट लिया था, जिसमें लिखा था कि वह महीनों-महीनों गद्दे पर सोता पड़ा रहेगा। इश्तिहार में टैगलाइन बोलेगा-गद्दे ऐसे कि उठने का दिल ही ना करे। युद्ध के समय कुंभकर्ण से बहुत निवेदन किया गया कि भईया, उठ लो। लंका की इज्जत का सवाल है। पर कुंभकर्ण महीनों सोने के कांट्रेक्ट के चलते युद्ध करने में सक्षम ही ना बचा। मजबूरी में जो किया, उसका परिणाम लंका की हार के सामने आया। शिक्षा-ज्यादा मॉडलिंग के चक्कर में न पड़ना चाहिए, परफारमेंस खराब हो जाती है। यह शिक्षा वर्तमान क्रि केटरों को जरूर समझनी चाहिए।

ऐन वक्त के फैसले की अफरा-तफरी

एस श्रीनिवासन

पिछले दिनों जब सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पटाखों की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश दिया, तो राजधानी से करीब 2600 किलोमीटर दूर बसे छोटे से शहर शिवकासी पर इस फैसले का सीधा असर हुआ। पटाखे, माचिस की तीली और कागज के पोस्टर बनाने के कारोबार का पर्याय बन चुका शिवकासी जैसे स्तब्ध रह गया। चीन के सस्ते उत्पादों ने पहले ही उसकी कमर तोड़ डाली थी, फिर पिछले साल की नोटबंदी, और इस साल जीएसटी ने उसे जोरदार झटका दिया। जीएसटी में इसे सर्वाधिक 28 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में रखा गया है। यह शहर एनसीआर में पटाखा बिक्री पर रोक के लिए तैयार ही नहीं था, जहां पर इसकी कुल बिक्री का करीब 20 फीसदी माल जाता रहा है।

इस दिवाली में शिवकासी 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाने जा रहा है। कई सारे कामगारों, खासकर बुजुर्गों के आगे नौकरी जाने का खतरा मंडराने लगा है। कुछ पटाखा निर्माता बहादुरी के साथ पर्यावरण के अनुकूल पटाखे (ग्रीन क्रैकर्स) बनाने के दावे कर रहे हैं, तो वहीं इस कारोबार से जुड़े दूसरे तमाम कारोबारी किसी ऐसे रास्ते की तलाश में हैं, जिससे उन्हें अपना कारोबार जारी रखने में मदद मिल सके। कुल मिलाकर, पटाखा उद्योग में एक अफरा-तफरी का माहौल है, लेकिन साथ ही यह एहसास भी है कि उन्हें अपने इस व्यवसाय को नया रूप देने की जरूरत है। पटाखे बनाने वाली कंपनियों के मुताबिक, यह क्षेत्र तीन लाख प्रत्यक्ष और 10 लाख परोक्ष रोजगार मुहैया कराता है। इससे प्रिंटिंग व पैकेजिंग उद्योग को भी मुनाफा होता है। इसके अलावा, देश भर के लाखों थोक व खुदरा दुकानदारों की आजीविका इस पर आधारित रही है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका के जरिए पटाखा कारोबारियों के पक्ष में यह दलील भी पेश की थी कि पटाखों के अलावा धूल, गाड़ियों से निकलने वाले धुओं, इमारतों की निर्माण गतिविधियों और पड़ोसी सूबों में किसानों द्वारा पराली जलाने से भी एनसीआर में वायु प्रदूषण होता है।

इस पूरी बहस को कुछ लोगों ने यह कहते हुए सांप्रदायिक मोड़ देने की कोशिश की कि सरकार को जानवरों की कुर्बानी समेत उन तमाम परंपराओं पर भी गौर करना चाहिए, जिनके कारण प्रदूषण बढ़ता है। कुछ लोगों ने तो कोर्ट द्वारा पटाखों की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध को 'हिंदू त्योहारों को निशाना बनाने' तक ठहरा डाला। कुछ दलीलें निस्संदेह अतिवाद की हद तक गईं, मगर इसमें कोई दो राय नहीं है कि दिल्ली भयानक वायु प्रदूषण से जूझ रही है। इस महानगर की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि इसकी हवा सर्दी की शुरुआत में ही प्रदूषण की गिरफ्त में फंस जाती है, और स्मॉग के कारक प्रदूषक तत्व इसमें लंबे समय तक छाए रहते हैं। राजस्थान के रेगिस्तानों से इसकी नजदीकी समस्या को और बढ़ाती है, तो पड़ोसी प्रांतों हरियाणा व पंजाब तरफ से इसकी ओर बहने वाली हवा अपने साथ पराली के जलने से पैदा प्रदूषक तत्व भी लाती है। दिल्ली में वाहनों की संख्या तो काफी है ही, रात में इससे गुजरने वाले अंतरराज्यीय ट्रक भी यहां के वायु प्रदूषण को और गहरा देते हैं। जाहिर है, इस महानगर के बच्चे और बूढ़े इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, एनसीआर में धूम्रपान न करने वालों को भी कैंसर की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि उनके फेफड़े दूषित हवाओं से भरे रहते हैं।

> जब नागरिकों के लिए आपात स्थिति बन जाती है, हमारे नीतिड-नियंता तभी क्यों जागते हैं? पटाखों की बिक्री पर रोक ने एक बार फिक यही बताया है।

प्रदूषण के स्तर को बताने के लिए अधिकारी लगातार आंकड़ों का एलान करते हैं। किसी भी इलाके की हवा की गुणवत्ता को पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) के जरिए मापा जाता है। इसमें 2.5 का अंक प्रदूषक कण का आकार है। भारत सरकार के मुताबिक, पीएम 2.5 का घनत्व 40 से 60 'माइक्रोग्राम पर क्यूबिक मीटर' यानी एमपीसीएम होना चाहिए। अब जरा दिल्ली में पीएम 2.5 का स्तर क्या है, इस पर गौर कीजिए। पिछले साल दिवाली की रात दिल्ली के आनंद विहार में पीएम 2.5 का स्तर 883 एमपीसीएम था, जबकि शहर के कुछ इलाकों में तो यह स्तर 1000 एमपीसीएम तक पहुंच गया था! इस सोमवार को एनजीओ सफर के मुताबिक, पीएम 2.5 का स्तर दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में 303 एमपीसीएम था। ज्यादातर दिल्लीवासी एक न दिखने वाले गैस चैंबर में जी रहे हैं। ऐसे में, हैरानी की बात नहीं कि दिल्ली दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में एक है। और यह कहने की जरूरत नहीं कि साफ हवा में सांस लेने की आजादी भी एक नागरिक का बुनियादी अधिकार है। फिर दिवाली की रात का ध्वनि प्रदूषण न सिर्फ इंसानों को, बल्कि पशु-पक्षियों को भी बुरी तरह तनावग्रस्त करती है।

प्रदूषण की यह समस्या कोई आज अचानक नहीं खड़ी हुई है। आखिर सरकारें क्यों आंखें मूंदे रहीं? शिवकासी के पटाखा कारोबारी केंद्र व राज्य सरकारों, औद्योगिक संगठनों और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों से यह कहते रहे हैं कि उन्हें पर्यावरण के मुफीद पटाखे बनाने की तकनीक मुहैया कराई जाए, मगर उन्हें कहीं से कोई सुझाव या हल नहीं मिला।

इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि प्रदूषण नियंत्रण और रोकथाम के लिए टुकड़ों में फैसले करने या उसकी उपेक्षा करने की बजाय एक समग्र नीति की दरकार है, जिस पर लंबे वक्त तक अमल सुनिश्चित कराया जाए। सुप्रीम कोर्ट का एनसीआर में पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध का फैसला दिवाली से महज 10 दिन पहले आया, जबकि ज्यादातर स्टॉक बाजार में आ चुका था। आखिरी वक्त में रोक के फैसले से तो कालाबाजारियों की बांछें खिलेंगी। दिवाली तो अब भी वायु और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाली हो सकती है, क्योंकि पटाखे छोड़ने पर प्रतिबंध नहीं लगा है। साल 2015 में दिल्ली में वाहनों के लिए लागू ऑड-ईवन योजना भी अंतिम क्षणों के समाधान के तौर पर शुरू की गई थी। आखिर जब नागरिकों के लिए आपातकालीन स्थिति बन जाती है, तभी हमारे नीति-नियंता क्यों जागते हैं? आखिरी वक्त के फैसले न सिर्फ भ्रम को जन्म देते हैं, एक संवेदनशील और स्वस्थ बहस को विकृत कर देते हैं, बल्कि इससे कुछ लोगों को सांप्रदायिक खेल खेलने का मौका भी मिल जाता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

केरल में पहल

देवताओं को भक्तों से जोड़ते दलित

हर्षदेव

सामाजिक भेदभाव और असमानता के खिलाफ सदियों से चली आ रही लम्बी लड़ाई केरल में एक बेहद अहम पड़ाव पर पहुंच गई है। राज्य के मंदिरों में पुजारी का काम अब गैर-ब्राह्मण समुदायों से जुड़े लोग भी संभालने लगे हैं और इनमें वे दलित व हरिजन भी शामिल हैं, जिन्हें शूद्र कहकर हमेशा हाशिये पर धकेला जाता रहा। सैकड़ों साल से शोषण, गरीबी और जुल्म सहती आ रहीं जातियों के साथ समानता तथा इंसाफ के लिहाज से यह फैसला युगांतरकारी घटना होने के साथ ही एक जरूरी संदेश की तरह है।

अक्तूबर के पहले पखवाड़े में जब 22 साल के दलित युवक यदुकृष्णन ने प्रसिद्ध मनाप्पुरम महादेव मंदिर के पुजारी की जिम्मेदारी संभाल ली तो वह आंख से झरझर बहते आंसुओं को रोक नहीं सका। आखिर वह उस कुप्रथा को तोड़कर सामाजिक न्याय की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते का मील स्तंभ बन गया था, जो सैकड़ों साल से केवल ब्राह्मण जाति के वर्चस्व की पर्याय बनी हुई थी। इसी तरह एक अन्य दलित 31 वर्ष के मनोज ने गांव के शिव मंदिर के महंत का आसन ग्रहण किया तो बरबस कह उठा-'मेरा दिल बल्लियों उछलने लगा। मुझे लगा कि मेरा कोई सपना साकार हो उठा है।' 26 वर्षीय जीवन का एहसास भी इससे अलग नहीं है। इंतिहा गरीबी में अब तक की जिंदगी गुजारने वाले जीवन का कहना है कि पढ़ने के लिए उसे दिहाड़ी-मजदूर का काम करना होता था, पर अब भगवान ने मेरी प्रार्थना सुन ली। कुछ ऐसी ही भावनाएं उन दूसरे दलितों ने भी जाहिर कीं, जिन्हें पुजारी की जिम्मेदारी के वास्ते चुना गया है।

पहली बार ऐसा हुआ जब केरल के त्रावनकोर देवस्वम (मंदिर) भर्ती बोर्ड ने पुजारी बनने के लिए आए आवेदन पत्रों की छंटनी में 36 गैर-ब्राह्मणों को देवालयों के महन्त का दायित्व निभाने के योग्य पाया। इस महत्वपूर्ण निर्णय का खास पहलू इस पद के लिए दलितों के चयन की शुरुआत है। नाइंसाफी और दमन के सिलसिले को तोड़ते हुए बोर्ड ने छह दलितों को पुजारी की पवित्र भूमिका सौंपने का फैसला लिया। यदुकृष्णन बताते हैं-'मैंने इसके लिए दस साल तक दीक्षा ली। इस दौरान भी सवर्णों की हिकारत को सहता रहा। मेरी साधना रंग लाई और आज मुझे मंजिल मिल पाई है।'

केरल के पूजास्थलों में ब्राह्मणवादी वर्चस्व के विरुद्ध सदियों से वंचित समुदाय निरंतर संघर्ष करते रहे हैं। यह लड़ाई रंग तो लाने लगी थी। पूरी तरह साक्षर इस राज्य में अन्य समुदायों को मंदिर का महन्त बनाने की शुरुआत यूं तो भी कुछ वर्ष पहले कर दी गई थी, लेकिन वे निर्णय जातीय आधार पर नहीं लिए गए थे। इस तथ्य को देखते हुए सरकार से मांग की गई कि जब पुजारियों को वेतन राज्य की ओर से मिलता है तो अन्य क्षेत्रों की तरह ही प्रत्याशियों का चयन करते समय आरक्षण के नियम का भी पालन किया जाना चाहिए। इसी तर्क को आधार बनाकर अब जाति आधारित चयनपद्धति को अपनाया गया है। यह काम सरकार द्वारा नियंत्रित चयन बोर्ड करता है। वह राज्य के 1248 मंदिरों के लिए पुजारी बनने के इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन मांगता है और प्रशिक्षण तथा योग्यता को ध्यान में रखकर उनके नाम चुनता है।

आज सामाजिक न्याय का संकल्प जिस मुकाम तक पहुंचने में कामयाब हुआ है, वह बहुत लम्बे संघर्ष का प्रतिफल है। पुजारी का काम संभालना तो दूर, परम्परा के नाम पर छोटी जातियों के लिए पूजास्थलों में घुसने तक पर सख्त पाबंदी रही है। इसके खिलाफ संगठित आंदोलनों की शुरुआत 19वीं सदी के शुरू से ही हो गई थी। 19वीं सदी के तीसरे और चौथे दशक में कांग्रेस के नेतृत्व में हरिजनों और दलितों के प्रति इस भेदभाव के विरोध में अनशन और पदयात्राएं की गईं। 1924 का आंदोलन वायकॉम और 1931-32 का संघर्ष इतिहास में गुरवायुर सत्याग्रह के नाम से दर्ज है। यहां बहुत महत्वपूर्ण बात यह है कि इस मुहिम को न केवल अभी आगे ले जाना होगा वरन और पुख्ता बनाना होगा। लेकिन यह तभी होगा, जब उन आस्थावानों से सहयोग लिया जा सके, जो मनुष्यता से वंचित करने वाले अंधविश्वासों और कट्टरता के पक्षधर रहे हैं। इस राह में नई चुनौतियों का सामना करने की जरूरत पड़ेगी। जब दलित या गैर-ब्राह्मण सबरीमाला जैसे बड़े मंदिरों में महंत का आसन संभालेंगे, उस समय जातीय अहंकार तिलमिलाकर कड़े विरोध के साथ ऐसे फैसलों का मुकाबला करेगा। इसीलिए सामाजिक सहयोग और स्वीकृति बहुत जरूरी है अन्यथा भेदभावजनित वैमनस्य अंदर ही अंदर समाज में नई तरह के टकराव को जन्म देगा, जो किसी भी दृष्टि से किसी भी पक्ष के हित में नहीं होगा। यदि आस्थावान वर्गों का सहयोग और मंजूरी के साथ आगे के मुकाम हासिल किए गए तो ऐसी कुरीति से हमेशा के लिए छुटकारा मिल सकता है, जो छोटे-बड़े हर वर्ग और हर जाति के चहुमुंखी विकास, उत्थान और सम्मान की दिशा में सकारात्मक कदम होगा। ऐसा होने पर ही सबको एक समान अवसर का मौका मिलेगा। तभी समरसता का बोध भी हो सकेगा।

रैगिंग

संवाद और सामंजस्य बनाएं

राजीव मंडल

देश की शिक्षण संस्थाओं में रैगिंग की रोकथाम को लेकर सरकार हर साल गाइडलाइंस बनाती है, इसके बावजूद रैगिंग की घटना कहीं-न-कहीं से प्रकाश में आ जाती है। ताजा मामला हाल ही चर्चा में रहे बनारस हिन्दू विविद्यालय (बीएचयू) में घटित हुआ है। यहां फिजी के एक छात्र से पहले तो रैगिंग की गई और जब छात्र ने इसकी शिकायत प्रॉक्टोरियल बोर्ड से की तो सीनियर छात्रों ने उसकी सरेराह पिटाई कर दी। इस मामले में थाने में मुकदमा भी दर्ज हुआ है, लेकिन फिलहाल दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई है। इसी तरह, देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर में रैगिंग के आरोप में 22 विद्यार्थियों को एक से तीन साल तक के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं पिछले महीने देश के नम्बर एक मेडिकल इंस्टीटयूट एम्स के 12 छात्रों को कुछ जूनियर छात्रों के साथ गलत व्यवहार करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। रैगिंग की सजा से बचने की कोशिश में तो प्रथम वर्ष का एक छात्र बुरी तरह घायल भी हो गया यानी यदा-कदा रैगिंग का भूत अभी भी शिक्षण संस्थानों में मंडराता फिर रहा है। यह सब कुछ तब है, जब रैगिंग को लेकर काफी कड़े नियम-कानून बनाए गए हैं। विविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एक्ट, 1956 में सभी संस्थानों में रैगिंग-विरोधी नीति अपनाना अनिवार्य बनाया गया था। किंतु इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी यह एक्ट अभी तक अप्रभावी सिद्ध हुआ है, और रैगिंग का चलन निरंतर जारी है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ''रैगिंग' पर सख्त रुख अपनाते हुए शिक्षण संस्थाओं को इन घटनाओं में अनिवार्य रूप से प्राथमिकी दर्ज कराने के आदेश दे चुका है। रैगिंग को मानवाधिकारों के उल्लंघन की श्रेणी में लेते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पूर्व निदेशक ए राघवन की अध्यक्षता में एक कमेटी भी बनाई गई थी, जिसने शिक्षा संस्थानों में रैगिंग के विरुद्ध कड़े निर्देश जारी किए। कई राज्यों ने भी इस पर रोक लगाने के लिए कानून भी बनाए। वास्तव में कॉलेज में प्रवेश के बाद सीनियर्स का मार्गदर्शन सकारात्मक होने के स्थान पर नये विद्यार्थियों के लिए जानलेवा हो जाता है। यह माहौल किसी एक शिक्षा संस्थान में नहीं बल्कि पूरे देश में हो गया है। इसकी गिरफ्त में उच्च स्तर के शिक्षा संस्थान ज्यादा हैं, जहां पर दूरदराज के विद्यार्थी अध्यनरत होते हैं।यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार साल 2009 से 2015 तक उत्तर प्रदेश में 565, पश्चिम बंगाल में 375, मध्य प्रदेश में 313, ओडिशा में 289 और महाराष्ट्र में 170 रैगिंग के मामले सामने आए। लेकिन ये आंकड़े पूरी कहानी बयां नहीं करते। एक सर्वेक्षण के अनुसार देश भर के कॉलेजों में करीब 40 फीसद छात्र-छात्राओं को रैगिंग का दंश झेलना पड़ता है। लेकिन उनमें से सिर्फ 8.6 फीसद घटनाएं दर्ज की जाती हैं। ज्यादातर नये छात्रों के साथ रैगिंग की वारदात होती हैं। ऐसे माहौल में तकरीबन 25 फीसद छात्र पढ़ाई पर ध्यान नहीं लगा पाते जबकि 65 फीसद छात्रों का आत्मविास इन हादसों के कारण खत्म हो जाता है।रैगिंग को लेकर यूजीसी की गाइडलाइंस के अनुसार शिक्षा संस्थानों में-रैगिंग विरोधी समितियों के गठन की जिम्मेदारी संस्थान प्रमुख की है। साथ ही, ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए कॉलेज-हॉस्टल में रैगिंग विरोधी दस्तों की अचानक छापेमारी, कॉलेज कैम्पस में रैगिंग रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना और शैक्षणिक सत्रों की शुरुआत के दौरान खास-खास जगहों पर पुलिस की मौजूदगी की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। देखा जा रहा है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों की बढ़ती हिंसात्मक प्रवृत्तियां शांति और विकास के तमाम पूर्वानुमानों को धराशायी करते हुए शिक्षा के उद्देश्यों को ही हतोत्साहित कर रही हैं।

रैगिंग रोकने के तमाम उपायों के बावजूद इसके न रुकने का कारण दुर्भाग्यपूर्ण शैक्षणिक वातावरण है। ऐसी घटनाओं के लिए सिर्फ छात्रों को जिम्मेदार ठहराना समस्या का हल नहीं है। शिक्षण संस्थानों में नैतिक शिक्षा का अभाव, उपभोक्तावादी जीवन और असंतुलित विकास जानलेवा बनता जा रहा है। एंटी रैगिंग कमिटी द्वारा युवाओं पर कार्रवाई करने से समस्या रुकने वाली नहीं है, बल्कि विद्यार्थी-शिक्षक संवाद और उनमें सामंजस्य स्थापित किए जाने के प्रयास होना चाहिए। बच्चों को घर से ही नैतिक शिक्षा दी जाए। उन्हें अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाए। अफसोस कि ऐसे सकारात्मक प्रयास और विद्यार्थियों के रचनात्मक विकास करने में हमारी शैक्षणिक संस्थाएं बुरी तरह विफल रही हैं।

कौड़ियों के भाव चीनी मिल बेचने वालों को नहीं बख्शेंगे: सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान चीनी मिलों की बिक्री पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कौड़ियों के भाव ये सौदे करने वाले बख्शे नहीं जायेंगे। पिपराइच की नई चीनी मिल में को-जनरेशन प्लांट और आसवानी के शिलान्यास के मौके पर विरोधियों पर अक्रामक हुये योगी ने कहा, 'प्रदेश को नोचने वालों को जनता कभी माफ नहीं करे।'

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उपक्रमों को लूटा। जमकर घोटाले किए गये। अब इन उपक्रमों को एक साल तक चलाने के लिए 10 हजार करोड़ से ज्यादा की रकम चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा-बसपा की सरकारों ने 21 चीनी मिलों को औने-पौने दामों में बेच दिया। चीनी मिले बंद हुई तो किसान -नौजवान तबाही की ओर बढ़ने लगे। रोजगार सृजन के बड़े अवसर बंद हो गए। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों को बेचने वाले किसान और विकास के दुश्मन हैं। भाजपा सरकार प्रदेश में नई चीनी मिले लगाने के साथ ही पुरानी मिलों का विस्तार करेगी।

भोगवादी राजनीति ने जनता को तबाह किया

जनसभा में योगी ने कहा कि राजनीति में जब मूल्य और आदर्श नहीं रहते हैं तो सत्ता भोग की वस्तु मात्र बन जाती है। भाई भतीजावाद, परिवारवाद और जातिवाद का जहर ऐसी राजनीति को खोखला कर नष्ट कर देता है लेकिन इससे तबाही आम जनमानस की होती है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार सड़क, बिजली, पानी, रोजगार के लिए प्रदेश की मदद करना चाहती थी लेकिन प्रदेश की सरकारें पैसा इसलिए नहीं लेती थीं कि कही इसका श्रेय केंद्र की सरकार को न मिल जाए। इन सरकारों में शामिल लोगों ने जनता और केंद्र सरकार से मिलने वाली धनराशि से अपना विकास किया। समाजवाद के नाम पर देश को बेवकूफ बनाया। लेकिन सच्चाई यह है कि ये परिवार के मोह से उठ ही नहीं पाए। सपा ने यह बताया कि एक परिवार के पास ही सभी पद होंगे, वही परिवार सब संचालित करेगा। बसपा ने इस परिवारवाद को व्यक्तिवाद में बदलकर और संकुचित कर दिया।

निवेश के लिए अनुकूल महौल बनायेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अधिक से अधिक उद्योग लगें। नौजवानों को अधिकाधिक रोजगार और नौकरी मिले, इसके लिए वह प्रयास कर रहे हैं। ताकि नौजवानों को ज्यादा से ज यादा रोजगार प्रदान कर सके। इसकी शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोरखपुर में वषी से बंद खाद कारखाने के शिलान्यास से की थी। प्रदेश सरकार नई उद्योग नीति लेकर आई। कानून का राज स्थापित किया।

अयोध्या में राम मूर्ति के लिए शिया वक्फ बोर्ड देगा दस चांदी के तीर

लखनऊ। अयोध्या में बनने वाली भगवान श्रीराम की मूर्ति में लगे तरकश के लिए शिया वक्फ बोर्ड चांदी के दस तीर देगा। ये जानकारी वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी ने दी। वक्फ बोर्ड ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर इस पहल से अवगत भी कराया है। इससे पहले वक्फ बोर्ड अयोध्या में बनने वाली मूर्ति में सहयोग की बात भी कर चुका है।

शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी ने अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम राम की मूर्ति लगाए जाने का स्वागत किया। चेयरमैन ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा है कि भगवान राम की एशिया की सबसे बड़ी मूर्ति की अगर अयोध्या में स्थापित की जाती है, तो अयोध्या के साथ-साथ पूरे यूपी का गौरव बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या एक सांस्कृतिक शहर है

100 नंबर का होगा पीसीएस का इंटरव्यू, अगले साल से लागू होगी व्यवस्था

इलाहाबाद । लोक सेवा आयोग की पीसीएस भर्ती परीक्षा में इंटरव्यू के अंक को आधा कर दिया गया है। अब इंटरव्यू 200 के बजाय 100 अंकों का होगा। आयोग की बैठक में यह फैसला लिया गया। यह व्यवस्था पीसीएस 2018 परीक्षा से प्रभावी होगी। 2018 की परीक्षा से पीसीएस की मुख्य परीक्षा का पैटर्न बदलकर आईएएस मेन्स की तरह कर दिया जाएगा।

आयोग के सचिव जगदीश ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंटरव्यू के अंकों को आधा करने का निर्णय चयन में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से लिया गया है। इंटरव्यू के अंक कम होने से चयन में लिखित परीक्षा के अंकों का महत्व बढ़ जाएगा। इंटरव्यू में अधिक नंबर देकर चयन करने का जो आरोप लगता था, उससे भी बचा जा सकेगा। राजस्थान और महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग में इंटरव्यू 100 नंबर का ही होता है। यहां तक यूपी लोक सेवा आयोग की पीसीएस जे परीक्षा में भी इंटरव्यू 100 नंबर का ही है।

सचिव ने बताया कि नियमावली में व्यवस्था है कि इंटरव्यू का अंक लिखित परीक्षा का अधिकतम 12.2 प्रतिशत तक हो सकता है। यूपी लोक सेवा आयोग में अधिकतम प्रतिशत के अंक को ही लागू कर दिया गया था। पिछले दिनों हुई आयोग की बैठक में इन सारे पहलुओं पर विचार कर भर्तियों से इंटरव्यू को समाप्त करने की प्रदेश सरकार की मंशा को देखते हुए इंटरव्यू के अंक कम करने का फैसला लिया गया।

पीसीएस मेन्स में होगा एक वैकल्पिक विषय

सचिव ने बताया कि आयोग की बैठक में पीसीएस मेन्स के पैटर्न को आईएएस मेन्स की तरह करते हुए वैकल्पिक विषयों की संख्या दो के बजाए एक और सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र दो के बजाए चार करने का फैसला लिया गया। पूर्व में पीसीएस मेन्स का नया पाठ्यक्रम तैयार किया था। इसकी समीक्षा कराई जाएगी फिर इसे मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा। पिछले दिनों मुख्य सचिव राजीव कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बदलाव पर शासन की सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। आईएएस और पीसीएस मेन्स के पाठ्यक्रम में काफी अंतर है। आईएएस मेन्स में निबंध और अंग्रेजी का 300 नंबर का पेपर होता है। 250-250 नंबर के सामान्य अध्ययन (जीएस) के चार पेपर होते हैं।

वैकल्पिक विषय दो के बजाए एक कर दिया गया है। इस एक विषय के दो पेपर 250-250 नंबर के होते हैं। इस प्रकार कुल 1800 नंबर की लिखित परीक्षा और 275 नंबर का इंटरव्यू होता है। वहीं पीसीएस मेन्स में अभी भी दो वैकल्पिक विषय हैं। इसके दो-दो यानी कुल चार पेपर होते हैं। प्रत्येक पेपर 200 नंबर का होता है।

यूपी-उत्तराखंड के बीच परिसंपत्तियों का बंटवारा जल्द, यूपी के डिप्टी सीएम ने जताया भरोसा

देहरादून। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं। सोमवार दोपहर वे यूपी निर्माण निगम के वरिष्ठ इंजीनियरों के साथ देहरादून पहुंचे। रात्रि विश्राम उन्होंने बीजापुर गेस्ट हाउस में किया। यहां से सुबह केदारनाथ के लिए रवाना हुए।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड व यूपी के बीच परिसंपत्तियों का बंटवारा जल्द होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में दोनों प्रदेशों का विकास तेजी से होगा। बीते सोमवार को मौर्य न्यू कैंट रोड स्थित मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत से मिले। दोनों नेताओं के बीच अनसुलझे मुद्दों पर लंबी मंत्रणा हुई। पत्रकारों से बातचीत में मौर्य ने कहा कि मोदी विकास के मामले में आदर्श हैं। जनता ने यूपी और उत्तराखंड को जो प्रचंड बहुमत दिया, निश्चित ही दोनों प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों प्रदेश भाई की तरह परिसंपत्तियों के लंबित मसलों के निस्तारण को उदारता पूर्वक काम करेंगे। सीएम त्रिवेंद्र ने कहा कुछ मसलों पर सहमति बन चुकी है। अगले माह वे लखनऊ जा रहे हैं और लंबित मामलों का चर्चा करेंगे।

बाबा केदार के दर पर पहुंचे मौर्य, बदरीनाथ भी गए

रुद्रप्रयाग। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को भगवान केदारनाथ के दर्शन किए। बाबा केदार के दर पर केशव मौर्य ने मत्था टेका। यहां पूजा-अर्चना की। पूजा अर्चना के बाद वह बदरीनाथ गए। भगवान बदरीविशाल के दर्शन कर वह देहरादून लौट गए।

निर्माण कार्यों में लापरवाह इंजीनियरों पर होगी कार्रवाई

मौर्य ने कहा कि यूपी निर्माण निगम के पास उत्तराखंड में करोड़ों के काम हैं।

योगी सरकार का कदम: ऑनलाइन जानकारी न देने वाले 2682 मदरसों की मान्यता हो सकती है रद्द

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मदरसा बोर्ड से जुड़े 2682 मदरसों द्वारा तय समय सीमा के भीतर उप्र सरकार को ऑनलाइन जानकारी नहीं देने के कारण इन मदरसों की मान्यता रद्द की जाएगी। एक अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि ऑनलाइन विवरण अपलोड करने की अंतिम तारीख रविवार थी। वहीं, वेब पोर्टल पर विवरण अपलोड करने वाले 16461 मदरसों की मान्यता बरकरार रहेगी और उन्हें अनुदान का हक होगा।

मैनपुरी में खेत में सोते किसान की हत्या

आगरा। बेवर थाना क्षेत्र के ग्राम कांसेपुर में फसल की रखवाली करने गए किसान की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मंगलवार को तड़के उसका शव खेत पर पड़ा मिला। जानकारी होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। मौके पर फोरेंसिक और डॉग स्क्वाड की टीमें लेकर पुलिस पहुंच गई। पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। ग्राम कांसेपुर निवासी 45 वर्षीय सर्वेश यादव पुत्र देशराज यादव खेती किसानी के अलावा कथावाचक का काम भी करता है। सोमवार की रात 9 बजे के करीब वो अपने घर से मक्का की फसल की रखवाली करने के लिए निकल गया। रात में किसी समय धारदार हथियारों से उसके सिर और गर्दन पर वार कर हत्या कर दी गई। सुबह होते ही उसकी पत्नी गीता देवी रोज की तरह खेतों पर पहुंची तो चारपाई पर सर्वेश का शव देखकर चीख पड़ी। शोरगुल होने पर पूरे गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। जानकारी पाकर सीओ भोगांव परमानंद पांडेय पुलिस को लेकर मौके पर पहुंच गए। डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीमों ने भी घटनास्थल पर जाकर साक्ष्य जुटाए।

बंटवारे के विवाद में हत्या होने की बात आयी है सामने

मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों से घटना की जानकारी लेकर शव का पंचनामा भर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक एक पुत्र तथा दो पुत्रियों का पिता था। उसकी हत्या के पीछे कोई ठोस कारण सामने नहीं आ सका है। हालांकि परिजनों और ग्रामीणों के मुताबिक काफी समय से मृतक का बंटवारे को लेकर अपने परिजनों से विवाद चल रहा था। बंटवारे के विवाद में ही हत्या होने की बात पुलिस कह रही है। घटना की तहरीर मृतक की पत्नी की ओर से नामजदों के खिलाफ दी गई है। एसपी राजेश एस का कहना है कि तहरीर के आधार पर घटना का अभियोग दर्ज कराया गया है। हत्यारों की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

बिहार

लव मैरिज के बाद दूसरे से प्यार करने लगी पत्नी, कार में मिला पति का शव

गया.बिहार के गया में एक युवक की कार में गला काटकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम दीपक कुमार है। दीपक के घरवालों ने हत्या के लिए अपनी ही बहू को जिम्मेदार बताया है। परिजनों का आरोप है कि दीपक की पत्नी प्रियंका ने ही अवैध संबंध के चलते उसकी हत्या करा दी। चार साल पहले किया था लव मैरिज...

घटना गया जिला के रामपुर थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर की है। मंगलवार सुबह घर के सामने पार्क कार से दीपक का शव मिला। परिजनों के अनुसार दीपक और प्रियंका ने चार साल पहले लव मैरिज की थी। करीब तीन साल तक दोनों का रिश्ता ठीक रहा बाद में दोनों के बीच विवाद होने लगा। इस दौरान प्रियंका को किसी और से प्यार हो गया। वह पति और ससुराल के लोगों से छिपकर अपने प्रेमी से मिलती थी।

दीपक को जब इस प्रेम कहानी के बारे में पता चला तो उसने पत्नी को प्रेमी से मिलने से रोका। प्रेमी से मिलने पर रोक टोक के चलते प्रियंका अपने पति के जान की दुश्मन बन गई।

कुछ दिन पहले ही रात में सोते वक्त दीपक की हत्या की कोशिश की गई थी। इसी दौरान दीपक की नींद खुल गई थी, जिससे वह बच गया था। दीपक के भाई ने कहा कि प्रियंका को पता था कि हमला किसने किया है, लेकिन वह बता नहीं रही है।

कॉल करके घर से बाहर बुलाया, सुबह मिली लाश

दीपक किराये पर कार चलाने का काम करता था। सोमवार रात उसे किसी ने कॉल कर घर से बाहर बुलाया था। कॉल करने वाले ने कहा था कि कार से कहीं चलना है। हत्यारे पहले से घात लगाकर छिपे थे।

दीपक जैसे ही कार के पास आया हत्यारे ने उसपर हमला कर दिया। धारदार हथियार से गला काटकर दीपक की हत्या कर दी गई और उसके शव को कार में रख दिया गया।

राबड़ी देवी पूछताछ के लिए ईडी नहीं आई

नई दिल्ली। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी एक बार फिर पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) नहीं पहुंची। ईडी ने उन्हें रेलवे होटल रखरखाव सौदे में कथित घोटाले की पूछताछ के लिए तलब किया था। ईडी उन्हें जल्द नया समन जारी कर सकता है। पर साथ ही ईडी राबड़ी देवी के खिलाफ दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय इस मामले में बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से लंबी पूछताछ कर चुकी है।

रेलवे होटल रखरखाव आवंटन घोटाले के मामले में सीबीआई भी राजद सुप्रीमों लालू यादव से पूछताछ कर चुकी है। ईडी एक अधिकारी ने कहा कि जल्द ही राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को पूछताछ के लिए समन जारी किए जाएगें। ईडी के एक अधिकारी ने कहा कि तेजस्वी यादव ने पूछताछ के लिए दोबारा पेश होने से पहले आठ सप्ताह का वक्त मांगा है। पर ईडी राबड़ी देवी से पूछताछ के बाद तेजस्वी यादव को जल्द पूछताथ के लिए बुला सकता है।

गया-पटना पैसेंजर ट्रेन में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी आग

पटना। ट्रेन नंबर 63244, गया-पटना मेमू पैसेंजर ट्रेन में शार्ट सर्किट से मंगलवार सुबह आग लग गई। आग की खबर लगते ही ट्रेन को गया से आगे चाकन्द स्टेशन पर रोका गया। त्वरित कार्रवायी करते हुए तत्काल रेलवे मेंटेनेंस की टीम को उसे ठीक करने में लगाया गया।

मंगलवार सुबह ट्रेन गया से चलकर पटना जा रही थी कि तभी गया से आगे चाकन्द स्टेशन पर लोगों को ट्रेन से धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया। इसकी जानकारी तुरंत रेलवे को दी गई। वहां मौजूद यात्रियों ने ट्रेन के नीचे से निकल रहे धुएं की जानकारी गार्ड और ड्राइवर को दी।

ट्रेन में हुई शॉर्ट सर्किट की वजह से वायरिंग डैमेज हो गया था। इस वजह से मोटर काम नहीं कर रहा था, जिससे ट्रेन के अंदर लाइट और पंखा भी नहीं चल रहा था। करीब आधे घंटे से ज्यादा वक्त तक ट्रेन को रोके रहने के बाद उसे ठीक कर फिर से पटना के लिए रवाना कर दिया गया।

इसके बाद ट्रेन को चाकन्द से आगे नियामतपुर हॉल्ट पर फिर से रोक दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबकि ट्रेन का चक्का जाम होने की वजह से इसे फिर से रोका गया। ड्राइवर का कहना है कि चक्का पूरी तरह जाम हो गया है। यह ट्रैक को डैमेज कर सकता है। खबर लिखे जाने तक गया-पटना मेन लाइन पर परिचालन बाधित था। पलामू एक्सप्रेस को भी चाकन्द में रोका गया है। लोगों का कहना था कि अच्छा हुआ कि ट्रेन में हुई शॉर्ट सर्किट की जानकारी तभी लग गई जब ट्रेन चाकन्द स्टेशन पर खड़ी थी। यदि ट्रेन स्टेशन से खुल जाती तो बर्निंग ट्रेन बन सकती थी।

तांत्रिक ने अपने रिश्तेदार और बच्ची पर फेंका तेजाब

सहरसा. बिहार के सहरसा जिले के बिहरा थाना क्षेत्र के पटोरी गांव में सोमवार की रात एक तांत्रिक अपने साली के घर गया। उसने साली के हसबैंड और बेटी पर तेजाब फेंक दिया। तेजाब फेंकने के बाद भी बाद भी वह घर में डटा रहा। परिजनों ने दोनों को पीएचसी में भर्ती कराया। फिर डॉक्टरों ने सदर हॉस्पिटल रेफर कर दिया। साली के पति पर लगाया अवैध संबंध का आरोप...

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि आरोपी सैनी महतो ने अपने साढ़ू भूलन महतो के घर पहुंचा। घर का गेट खुलते ही अंदर घुसा और भूलन और उसकी बेटी खुशबू पर तेजाब फेंक दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही घर के लोग जुटे और दोनों को हॉस्पिटल ले गए।

भूलन की मां तारा देवी ने बताया की उनका बेटा भूलन सोमवार की रात पत्नी और बच्चे के साथ अपने कमरे में सो रहा था।

उसी समय उसका साढ़ू सैनी महतो आया और भूलन को आवाज देकर दरवाजा खुलवाया था।

सैनी ने आरोप लगाया है कि भूलन का मेरी पत्नी के साथ अवैध संबंध था। जिसके कारण उसने तेजाब फेंका है।

दर्दनाक: सफाई में लगे थे घरवाले, बाल्टी में डूब मरा बच्चा

मोरवा (समस्तीपुर)। हलई ओपी की सारंगपुर पश्चिमी पंचायत के वार्ड संख्या-9 निवासी महेन्द्र सहनी के पोता व प्रमोद सहनी के पुत्र शिवम (18 महीने) की पानी से भरे बाल्टी में डूबने से मौत हो गयी। यह घटना सोमवार सुबह उस समय हुई जब घर वाले दीपावली के लिए घर की सफाई में जुटे थे। खेलते-खेलते शिवम कब पानी से भरे बाल्टी में गिर गया पता ही नहीं चला। हालांकि घर वालों ने धप की तेज आवाज सुनी थी। काफी देर के बाद जब बच्चे की आवाज नहीं सुन घर वाले उसे ढूंढ़ने लगे तो वह बाल्टी में औंधे मुंह गिरा पड़ा था। अनुमान लगाया जा रहा है कि पहले वह बाल्टी पकड़ कर खड़ा हुआ होगा फिर उसी क्रम में वह सिर के बल बाल्टी में गिर गया होगा। हालांकि बाल्टी में उसके गिरने पर आवाज भी हुई, पर सफाई में जुटे घर के लोगों ने समझा कि बच्चा खेल रहा है। इस घटना से घर के लोगों में चीख पुकार मच गयी। वहीं जिसने भी सुना वह दौड़ कर प्रमोद सहनी के घर पहुंचा। स्थानीय मुखिया बड़ेलाल सहनी ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर ढांढ़स बंधाया और गहरी संवेदना जतायी।

एंबुलेंस न मिलने पर बोलेरो की छत पर बांध कर ले गए शव

मधुबनी। सदर अस्तपाल से सोमवार को सड़क हादसे में मारे गए वृद्ध के शव को बोलेरो पर बांधकर ले जाया गया। इसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ लिया। एक तरफ जहां मृतक के परिजनों का कथित आरोप है कि उन्हें शव वाहन नहीं मिला, तो दूसरी तरफ अस्पताल प्रशासन ने कहा कि परिजनों की ओर से शव वाहन की डिमांड नहीं की गई। इसकी तस्वीर मीडिया सहित अन्य गु ?रपों पर भी वायरल कर दी गई। फुलपरास थाना क्षेत्र के सिजोलिया निवासी 65 वर्षीय नवेन्द्र झा की मौत सड़क दुघर्टना में रविवार को हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने सदर अस्पताल लाया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंपा गया। जब परिजनों ने शव वाहन की डिमांड की तो उपलब्ध नहीं कराया गया। बाद में उनके बेटे ने एक प्राइवेट बोलेरो किया और लाश को बोलेरो की छत पर बांधकर दाह संस्कार के लिए ले गया। हालांकि, अबतक परिजनों ने इस बात की कहीं कोई शिकायत दर्ज नहीं करवाई है। इस बाबत सिविल सर्जन डॉ. अमरनाथ ने बताया कि मृतक के परिजनों ने शव वाहन के लिए कोई डिमांड नहीं किया था। परिजनों का कहना था कि वे शव को सिमरिया घाट ले जाकर संस्कार करेंगे। कुछ लोग निजी स्वार्थ के लिए इसे तूल दे रहे हैं। उनके बेटे ने एक प्राइवेट बोलेरो किया और लाश को बोलेरो की छत पर बांधकर दाह संस्कार के लिए ले गया। हालांकि, अबतक परिजनों ने इस बात की कहीं कोई शिकायत दर्ज नहीं करवाई है।

सूरत समाचार

क्रांति समय

संवाददाता, सूरत। धनतेरस पर गाय बछड़े की पूजा कर फूलों की माला पहनाने के बाद हरा चारा खिलाते शहर भाजपा प्रमुख नितीनभाई भजियावाला और उनका परिवार

लैस पट्टी के व्यापारी को दो भाइयों ने लगाया 14.97 लाख का चुना

सूरत। सरथाणा के योगी चौक स्थित हंस विहार सोसायटी निवासी एक लैस पट्टी के व्यापारी को दो ठग भाइयों ने 14 लाख 97 हजार की चपत लगाने का मामला सामने आया है। पुनागांव पुलिस के अनुसार सरथाणा के योगी चौक स्थित हंस विहार सोसायटी निवासी संजय डाहयाभाई वाधानी (37 वर्ष) लैस पट्टी के व्यापारी है । पुनागांव के सीतानगर चौकड़ी स्थित क्रिएशन प्लाजा की दुकान नंबर 33 में पीड़ित संजय भाई लैस क्रिएशन के नामसे व्यापार करते है । गिर सोमनाथ के ऊना तहसील निवासी बावचन्द भूपतभाई गोहिल तथा मनीष भूपतभाई गोहिल दोनो भाइयों ने पीड़ित व्यापारी से मुलाकात कर उधारी में लैसपट्टी का माल खरीद कर 60 दिनों में पैसो का भुगतान करने की बात कह कर 14 लाख 97 हजार का माल खरीदा और समय पर पैसो का भुगतान न कर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित व्यापारी की शिकायत पर पुनागांव पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शरू कर दी है ।

संवाददाता, सूरत। धनतेरस पर बहीखाते की खरीदारी करते व्यवसायी गण।

संवाददाता, सूरत। दीपावली के उपलक्ष्य में शहर के ब्यूटी पार्लरों में महिला ग्राहकों की लगी भीड़

संवाददाता, सूरत। धनतेरस पर सोने चांदी के आभूषण खरीदती महिलाएं

संवाददाता, सूरत। धनतेरस पर लूम्स की मशीनों की साफसफाई करते कारीगर।

भूख मिटाने के लिए चोरी करने गया युवक पहुंचा सलाखों के पीछे

सूरत। पुनागांव में घूमने फिरने वाले भटकते एक युवक को भूख ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार पुनागांव के पुना केनाल रोड स्थित वनमाली पार्क के हनुमानजी के मंदिर मे रख्खी दान पेटी चोरी करने के इरादे से चुराकर अंदर से कुछ हाथ नही लगने पर दान पेटी फेक कर फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया ।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पुनागांव के मगोब स्थित रेश्मा रो हाउस निवासी हेमंत भाई गोविन्द भाई सुरती (37 वर्ष) एडवोकेट है । पुनागांव के पुना केनाल रोड स्थित वनमारी पार्क में गोविन्द भाई की जमीन है । जिसपर पीड़ित ने हनुमानजी का मंदिर बनाया है । 12 अक्टूबर की दोपहर पूना गाव में घुमने फिरने वाले युवक संतोष पेटल मंदिर में चोरी करने के इरादे से आया था और मंदिर में रख्खी दान पेटी उठाकर अंदर से कुछ हाथ नही लगने पर दानपेटी को मंदिर के पीछे फेककर फरार हो गया

कतारगाव में अधेड़ की मौत के चलते धोड़े के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

सूरत। कतारगाव के डेरी फलिया निवासी अधेड़ की सड़क हादसे में मौत होने के मामले में जवाबदार धोड़े के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की है । पुलिस सूत्रों के अनुसार कतारगांव के डेरी फलिया स्थित नैसग बंग्लोज निवासी परुलकुमार योगेश भाई पटेल 54 वराछा के ए के रोड की एक लूम्म्स फैक्ट्री में मुनीम थे । गत 18 सितंबर की दोपहर अधेड़ पारुलकुमार अपनी बाइक लेकर नोकरी पर से धर जा रहे थे । इसी दौरान कतारगांव के गजेरा सर्केल स्थित रत्नमाला बिल्डिंग के पास कही से एक धोड़ा दौड़ते दौड़ते आया और अधेड़ की बाइक पर कुद पड़ा जिसके चलते पीड़ित बाइक लेकर जमीन पर ढेर हो गए। गंभीर चोट लगने पर पारुलकुमार को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया । जहाँ पीड़ित की उपचार दौरान 26 सितंबर के रोज मौत हो गई। इस मामले में कतारगांव पुलिस ने मृतक की पत्नी भावना बहन की शिकायत ओर लापरवाह तरीके से घोड़े को छोड़ने वाले उसके मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

पार्षद पुत्र की उगाही से त्रस्त मिलकतदार ने कमिश्नर से लगाई मदद की गुहार

सूरत। शहर के प्रतिष्ठित समाज सेवक व कफन कमेटी एकता युवक मंडल के प्रमुख जब्बारखान बी. पठान ने मनपा कमिश्नर को निवेदन पत्र लिखकर पार्षद पुत्र के त्रास से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई है।मनपा कमिश्नर को लिखे आवेदन पत्र में जब्बारखान बी. पठान में बताया है कि रे. सर्वे न.-24, ब्लाक न.-30 तथा रे. सर्वे न. 26, 27/2, ब्लाक न.- 30 के प्लाट न.- 59/ ए जिसका क्षेत्रफल 12/65 फीट यानी 710 वर्ग फीट (86.66 चौ.वार) है। इस जमीन को मैने जुताराम हेमाजी चौधरी से 16 मई 2007 को कब्जा रसीद से खरीदा था। जिसमें मैने रहने के उद्देश्य से एक माले का बांधकाम किया हुआ है। दिवाली का सीजन होने के कारण मैने इसमें प्लास्टिक तथा पुट्ठा रखा हुआ है। इस प्लाट पर रहने के लिए मुझे बांधकाम कराना है, जिसके लिए स्थानीय पार्षद लीलाबेन सोनवणे के पुत्र कुनालभाई सोनवणे ने मुझे बुलाकर इस प्लाट पर बांधकाम करने के लिए पैसों की मांग की जिसे मेरे द्वारा नकार दिए जाने पर कुनाल ने पार्षद के पुत्र का धौंस दिखाकर लिंबायत जोन के अधिकारियों पर दबाब बनाकर बारंबार बांधकाम रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। महोदय मैं आर्थिक रुप से इतना सक्षम नहीं हूं कि मैं इनकी मांग पूरी कर सकूं। कुनाल सोनवणे ने भाटेना तथा अंजना इलाके में भय एवं आतंक का माहौल बना रखा है। अत: महोदय से नम्र निवेदन है कि कुनाल सोनवणे पर उचित कार्रवाई कर मेरे साथ न्याय करें।

डायमंड फैक्ट्री को मुनीम ने लगाया 48 लाख का चूना

संवाददाता, सूरत। कपोदरा के वराछा बैंक के निकट स्थित शंकर इंडस्ट्रीज की एक डाइमंड फैक्ट्री के मुनीम ने कंपनी को 48 लाख का चूना लगार अन्य दो युवतियों के एकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए । कपोदरा पुलिस के अनुसार नाना वराछा के स्नेहमिलन सोसायटी निवासी परबत भाई धनजीभाई धेवरिया (56 वर्ष) डायमंड फेक्ट्री है । कपोदरा के वराछा बैंक के निकट स्थित शंकर इंडस्ट्रीज में कृष्णा डायमंड के नाम से परबतभाई कारखाना चालाते है । कतारगाव के हाथी मंदिर रोड स्थित गोकुल पार्क सोसायटी निवासी मिहिर कनैया लाल गजेरा पिछले दो तीन सालों से परबत भाई की फैक्ट्री में मुनीम का काम करता था ।

इसी दौरान मुनीम मिहिर ने 1 अप्रेल से 18 सितंबर के दौरान अलग अलग पार्टियों द्वारा दिया गया डायमंड के 48 लाख लेकर अडाजन के सूर्य रथ अपार्टमेन्ट निवासी श्वेता महेन्द्रभाई पारेख तथा अडाजन के ऋषि पार्क अपार्टमेन्ट निवासी जिया विजय दवे नामक दोनो अपने फ्रेंड के एकाउंटमें ट्रांसफर कर दिए ।

घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर कपोदरा पुलिस ने डायमंड फैक्ट्री के मुनीम सहित तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शरू की है ।

डिंडोली की गैस एजेन्सी कंपनी के साथ 2.13 लाख की धोखाधड़ी

संवाददाता, सूरत। डिंडोली के ओमनगर स्थित श्रीजी पार्क की एक गैस एजेन्सी कंपनी को तीन ठगों ने 2 लाख 13 हजार का चूना लगाया होने का मामला सामने आया है । तीनो ठगों ने एजेन्सी से 76 गैस के सिलिंडर लेकर पैसों का भुगतान नही कर फरार हो गए । डिंडोली पुलिस के अनुसार डुंम्भाल के पूना कुंभारिया रोड स्थित अक्षर टाउनशिप निवासी हसुमती बहन विपुल भाई पटेल 36 डिंडोली के ओमनगर स्थित श्रीजी पार्क में भारत पेट्रोलियम लिमिटेड की ओर से योगी कृपा भारत गैस एजेन्सी चालाते है । 12 अक्टूबर के रोज हसुमती बहन का भतीजा ध्रूव दुकान पर उपस्थित थे इसी दौरान वराछा के वालक पाटिया निवासी कौशिक महेश भाई पटेल वराछा के योगी चौक स्थित प्रमुख छाया निवासी जिग्नेश केशवलाल तथा राजुभुव सहित तीन जने कार्यालय पर आए थे और 76 नग कामर्शियल गैस के बोटल बुक करवाये थे । उसके बाद ध्रूव ने डिलेवरी मेन शंकर भाई तथा जितेन्द्र भाई द्वारा आरोपियों के बताई गई जगह पर गैस के बोटल की डिलेवरी की थी बाद तीनों ठगों ने गेस के बोतल के बाकी 2 लाख 13 हजार का भुगतान नही कर फरार हो गए । हादसे के चलते पीड़िता की शिकायत पर डिंडोली पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू कर दी है ।

सफारी पार्क के विकास की मांग कांग्रेसनित यूपीए सरकार ने किया विलंबित: रूपाणी

अमरेली के आंबरडी में मुख्यमंत्री ने किया लायन सफारी पार्क का उद्घाटन

अमरेली (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मंगलवार को अमरेली जिले के आंबरडी में लायन सफारी पार्क का उद्घाटन करते हुए विश्वास जताया कि सिंह दर्शन के लिए आने वाले पर्यटन प्रेमियों को अब सासण के अलावा और एक सफारी पार्क में एशियाई बब्बर शेरों को देखने का अवसर मिलेगा। रूपाणी ने कहा कि गुजरात सरकार ने पहले कई बार गिर के पूर्वी क्षेत्र के संरक्षित वन में इको टूरिज्म और सफारी पार्क विकसित करने की मांग की थी, जिसे तत्कालीन यूपीए सरकार ने नजरअंदाज कर दिया था। गुजरात के किसी भी क्षेत्र के विकास में रोड़ा डालने के इरादे से ही इस पार्क को भी यूपीए ने विलंबित किया था। उन्होंने कहा कि गुजरात और देश की जनता के सौभाग्य से प्रधानमंत्री पद पर नरेन्द्र मोदी के आसीन होते ही गुजरात के इन मुद्दों का सुखद हल निकल गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत पांच जून, २०१७ को आंबरडी के इस सफारी पार्क को केन्द्र सरकार की मंजूरी मिली और राज्य के वन विभाग ने अल्पसमय में ही इस पार्क को विकसित कर इसका लोकार्पण कराया जो प्रशंसनीय है। रूपाणी ने कहा कि यह सफारी पार्क समग्र अमरेली जिले के लिए आर्थिक उत्कर्ष और समृद्धि का द्वार साबित होगा। अब लोग सासण के अलावा आंबरडी सफारी पार्क की यात्रा भी करेंगे। देश-विदेश के सैलानियों के यहां आने से धारी पर्यटन हब बनेगा। उन्होंने कहा कि अमरेली जिले में आज विकास के अनेक कार्य हो रहे हैं, जो लोगों की मांग और भावनाओं को ध्यान में रखकर किए जा रहे हैं। इसे ही सच्चा विकास कहते हैं। विकास ही हमारा मिजाज़ है और गुजरात की विकास यात्रा को अब कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि इसके लिए सरकार संकल्पबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है। उपस्थित किसानों से मुखातिब मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार हमेशा किसानों के हित को समर्पित रही है, इसलिए ही आगामी लाभ पंचमी से समर्थन मूल्य पर मूंगफली खरीदने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों को शून्य फीसदी ब्याज दर पर तीन लाख रुपये तक का कर्ज दिया जाएगा और उसका ब्याज राज्य सरकार अदा करेगी। इससे राज्य सरकार के खजाने पर लगभग ७०० करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। सौनी योजना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना से सौराष्ट्र के लोगों की सिर्फ पेयजल ही नहीं बल्कि सिंचाई की समस्या भी स्थायी रूप से हल हो जाएगी, इसके लिए योजना का काम अविरत गति से आगे बढ़ रहा है। रूपाणी ने अमरेली जिले के धारी स्थित ३५० हेक्टेयर क्षेत्र में फैले आंबरडी सफारी पार्क का लोकार्पण करने के बाद धारी में श्री दामाणी हाईस्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण कर शिक्षा मुहैया कराने की राज्य सरकार की कटिबद्धता की प्रतीति कराई।

गांधीधाम-कामाख्या एक्सप्रेस में तीन थर्ड एसी कोच बढ़ाए गए

अहमदाबाद (ईएमएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 15667/15668 गांधीधाम-कामाख्या एक्सप्रेस में थर्ड एसी कोच बढ़ाए गए हैं। तदनुसार 17 जनवरी 2018 से ट्रेन संख्या 15668 कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस तथा 20 जनवरी 2018 से ट्रेन संख्या 15667 गांधीधाम-कामाख्या एक्सप्रेस में एक की जगह चार थर्ड एसी कोच रहेंगे। तदनुसार उक्त अवधि से इस ट्रेन में एक सेकण्ड एसी, चार थर्ड एसी, दस स्लीपर तथा सात जनरल तथा एक पैंट्री कार कोच रहेंगे। सेकण्ड एसी, एक थर्ड एसी, बारह स्लीपर, नौ सामान्य श्रेणी तथा एक पेंट्री कार समेत कुल 24 कोच हैं।

अब कांग्रेस ने लगाया केन्द्र सरकार पर गुजरातसे अन्याय का आरोप

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केन्द्र की भाजपा सरकार पर सर्व शिक्षा अभियान के तहत कम धन आवंटन कर गुजरात के साथ अन्याय किया है। गुजरात की भाजपा सरकार को राईट टू एज्यूकेशन (आरटीई) एक्ट का अमल वर्ष 2010 से करना था, इसके बावजूद 2014 तक एक भी विद्यार्थी को शिक्षा के मूलभूत अधिकार के तहत प्रवेश न देकर गरीब और सामान्य परिवारों के साथ अन्याय किया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि राज्य की 552 ग्रांटेड और 75 सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूलों में कंप्यूटर विषय दाखिल किया गया है, परंतु इस विषय को पढ़ाने के लिए किसी स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई। सरकार से कई दफा पेशकश के बावजूद वर्ष 2014 में कंप्यूटर शिक्षक के लिए टेट की परीक्षा ली गई थी। जिसके बाद लंबे अर्से तक भर्ती नहीं की गई। फरवरी 2017 में कंप्यूटर विषय में टेट उत्तीर्ण होनेवाले बेरोजगार युवक-युवतियों का उपहास करते हुए केवल 17 जगहों का ऐलान किया और उसे भी बाद में रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि केन्द्र की तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने कंप्यूटर शिक्षा के लिए करोड़ों रुपए गुजरात समेत अन्य राज्यों को आवंटित किए होने के बावजूद स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षकों के अभाव में गुजरात के विद्यार्थी कंप्यूटर शिक्षा से वंचित रहे। फिक्स वेतन प्रथा, कोन्ट्रेक्ट प्रथा, एड होक, आउट सोर्सिंग के नाम पर 15 लाख युवाओं का गुजरात सरकार आर्थिक शोषण कर रही है। राज्य में उच्च प्राथमिक स्कूलों में गणित-विज्ञान के 2413 शिक्षकों की जगह लंबे समय से रिक्त हैं। राज्य में 456 सरकारी और 1520 ग्रांटेड माध्यमिक स्कूलें बगैर आचार्य के चल रही हैं। जबकि 1327 सरकारी स्कूलों और 1866 ग्रांटेड स्कूलों में सहायक शिक्षकों की जगह लंबे समय से खाली है। फरवरी 2017 में कंप्यूटर विषय में टेट उत्तीर्ण होनेवाले बेरोजगार युवक-युवतियों का उपहास करते हुए केवल 17 जगहों का ऐलान किया और उसे भी बाद में रद्द कर दिया गया। राज्य में गुणोत्सव के नतीजों के मुताबिक 11822 प्राथमिक स्कूलें कमजोर और 2373 प्राथमिक स्कूलों काफी कमजोर हैं। राज्य की प्राथमिक स्कूलों में 13140 शिक्षकों के पद काफी समय से रिक्त पड़े हैं।

गिर अभ्यारण्य ने पिछले वर्ष की सबसे ज्यादा कमाई

अहमदाबाद। एशियाटिक शेरों के लिए मशहूर गिर अभ्यारण्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या में पिछले एक साल में काफी इजाफा हुआ है। गिर अभ्यारण्य में जून 2016 से जून 2017 के बीच सबसे ज्यादा राजस्व प्राप्त हुआ है। जानकारी के मुताबिक इस साल गिर प्राणी उद्यान और देवलिया सफारी पार्क में आने वाले 5.22 लाख पर्यटकों से करीब 10.25 करोड़ की कमाई हुई। हर साल की भांति इस वर्ष भी दीपावली के अवसर पर बड़ी मात्रा में पर्यटक गिर अभ्यारण्य आ रहे हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या की वजह से गिर अधिकारियों ने 30 अक्टूबर तक ऑनलाइन बुकिंग भी बंद कर दी है। वहीं 14 जनवरी तक वीकेंड पर गिर घूमना अब आसान काम नहीं होगा। पर्यटकों ने पहले से ही काफी ज्यादा बुकिंग करा ली है इसलिए 14 जनवरी तक वीकेंड पर ऑनलाइन परमिट रोक दिए गए हैं। गिर जंगल के मुख्य संरक्षक एपी सिंह का कहना है कि पिछले साल गिर में करीब 5.22 लाख के पर्यटक आए थे। साल 2015 के बाद यह दूसरा सर्वाधिक आंकड़ा है। 2015 में यह आंकड़ा 5.33 लाख का था। बता दें कि राज्य सरकार के पर्यटन विभाग के बॉलीवुड ऐक्टर अमिताभ बच्चन के साथ ऐड कैंपेन के बाद से ही पर्यटकों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। चार महीने बाद फिर से खोला गया है और इसलिए हम दिवाली के दौरान भी भारी संख्या में यहां पर्यटकों के आने की उम्मीद कर रहे हैं।

पटाखों से बचाने के लिए गुजरात का सबसे ऊंचे तिरंगे को उतारा गया

वडोदरा (ईएमएस)। शहर के समा क्षेत्र में लगे गुजरात के सबसे ऊंचे राष्ट्रध्वज को एक बार फिर उतार लिया गया है। हांलाकि इस बार तिरंगे कोई नुकसान नहीं हुआ, बल्कि दीपावली पर्व पर पटाखों से बचाने के लिए उतारा गया है। वडोदरा महानगर पालिका की ओर से गत 14 अगस्त को शहर के समा तालाब क्षेत्र में उर्मी स्कूल के निकट खुले मैदान में गुजरात का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। 68 मीटर की ऊंचाई पर लगाया गया 50 किलो वजन का तिरंगा 11वें दिन फट या था। जिसके बाद दूसरा ध्वज लगाया गया। लगातार तीन दफा तिरंगा फटने से 20 दिनों तक ध्वज लगाया नहीं गया। जब लगाया गया तब चौथी बार भी तिरंगा फट गया। गत 11 को फिर एक बार राष्ट्रध्वज फट जाने से उसे उतारकर फिर नया तिरंगा फहराया गया। लेकिन गत रविवार की शाम गुजरात के सबसे ऊंचे तिरंगे को फिर एक बार उतार लिया गया है। हांलाकि अबकि बार इसे किसी नुकसान की वजह से नहीं बल्कि ऐहतियात के तौर पर उतारा गया है। दरअसल दीपावली त्यौहारों के दौरान हवाई रॉकेट जैसे पटाखों का इस्तेमाल किया जाता है।

पीएम मोदी 22 अक्टूबर को रो रो फेरी का लोकार्पण करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दीपावली के बाद 22 अक्टूबर को भावनगर के घोघा में रो रो फेरी का लोकार्पण करेंगे। आज गांधीनगर के भाट गांव में आयोजित गुजरात गौरव महासम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल को बधाई दी। मोदी ने कहा कि उनके ड्रीम प्रोजेक्ट को पूर्ण करने में विजय रूपाणी और आनंदीबेन पटेल ने कोई कसर नहीं छोड़ी। मोदी ने कहा कि वे 22 अक्टूबर को रो रो फेरी का उदघाटन करने के बाद उसमें यात्रा भी करेंगे। भावनगर के घोघा से दहेज के बीच प्रांरभ होनेवाली रो रो फेरी के प्रथम चरण में केवल यात्री जा सकेंगे। दूसरे चरण में व्हीकल के साथ यात्री मुसाफिरी कर सकेंगे। भविष्य में रो रो फेरी सर्विस सूरत के हजीरा तक उपलब्ध होगी। रो रो फेरी शुरू होने से सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के बीच दूरी काफी कम हो जाएगी। भावनगर के घोघा से दहेज के बीच प्रांरभ होनेवाली रो रो फेरी के प्रथम चरण में केवल यात्री जा सकेंगे। दूसरे चरण में व्हीकल के साथ यात्री मुसाफिरी कर सकेंगे। दक्षिण गुजरात में रहनेवाले सौराष्ट्र के लोग अपनी कार लेकर निकलेंगे और उसी कार के साथ रो रो फेरी में सवार होकर एक घंटे में भावनगर पहुंच जाएंगे। कार ही नहीं ट्रक के साथ भी रो रो फेरी में यात्रा की जा सकेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं ताप्तीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com